



प्रफुल्ल कोलख्यान

**बच्चा उदास है**

होशियार बच्चे

तमीज दे रहे हैं कि

अपराध है

जाना इस खेल के खिलाफ

रोते हुए

छोटे बच्चे ने

इनकार कर दिया

चोर बनने से

उसे ऐतराज है

चोर बनाये जाने पर

इस ऐतराज को खतियाने

के लिए कोई खाता

नहीं मुल्क के पास

होशियार बच्चे

तमीज दे रहे हैं कि

अपराध है

जाना इस खेल के खिलाफ

चोर सिपाही का खेल

राष्ट्रीय भावना का परिचायक है

आज का बच्चा

कल का नायक है

बच्चा के सामने स्थिति

बिल्कुल साफ है

बच्चा उदास है